

**शेषनाग** पुं. (तत्.) पौराणिक मान्यतानुसार वह नाग जिसके सहस्र फनों पर पृथ्वी आधारित है और जिसका निवास पाताल में है, सर्पराज शेष।

**शेषफल** पुं. (तत्.) गणि. 1. किसी संख्या अथवा राशि में से को कोई अन्य संख्या अथवा राशि घटाने से प्राप्त संख्या, राशि 2. भाजक से भाज्य को विभाजित करने के उपरान्त बची संख्या, राशि, शेष, बाकी।

**शेषराज** पुं. (तत्.) 1. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में दो भगण के योग से 6 वर्ण होते हैं 2. विद्युल्लेखा 3. शेष नाग।

**शेष रात्रि** स्त्री. (तत्.) रात्र का बाकी बचा हुआ भाग, बचीरात्रि, रात्रि का चौथा प्रहर, रात्रि का अंतिम प्रहर।

**शेषवाद** पुं. (तत्.) संगी. संगीत शास्त्र में, कर्नाटक पद्धति का एक राग।

**शेषव्रत** पुं. (तत्.) न्या. न्याय शास्त्र में अनुमान का एक भेद जिसमें किसी परिणाम के आधार पर पूर्ववर्ती कारण अथवा घटना का अनुमान लगाया जाता है जैसे- नदी में आई बाढ़ को देखकर ऊपर हुई वर्षा का अनुमान लगाना या धुँआ देखकर आग का अनुमान।

**शेषशयन** पुं. (तत्.) शेषनाग पर शयन करने वाला, विष्णु, शेषशायी।

**शेषशायी** पुं. (तत्.) शेषनाग पर शयन करने वाला, शेषशयन, विष्णु, नारायण।

**शेषांकन** पुं. (तत्.) बचे हुए हिस्से के विषय में सूचना, छूटे हुए अंश के बारे में सूचना।

**शेषांत्र** पुं. (तत्.) पाचन संस्थान में छोटी आँत का अंतिम हिस्सा।

**शेषांश** पुं. (तत्.) 1. बाकी बचा हुआ अंश, वस्तु का उपभोग करने के उपरान्त जो अंश शेष रह जाए 2. अंतिम अंश, आखरी हिस्सा 3. समाचार पत्र में समाचार का वह अंश जो अन्य किसी पृष्ठ पर लिखा हो।

**शेषाचल** पुं. (तत्.) भारत के दक्षिणी भाग का एक पर्वत।

**शेषान्न** पुं. (तत्.) 1. भोजन करने के उपरान्त पात्र में बाकी बचा जूठा अन्न, भोजन 2. सभी सदस्यों के भोजन करने के उपरान्त बचा हुआ अन्न।

**शेषावस्था** स्त्री. (तत्.) आयु का वयोवृद्ध पड़ाव, उम्र की परिपक्व अवस्था, वृद्धावस्था, बुढ़ापा।

**शेषोक्त** वि. (तत्.) 1. बहुत कुछ कहने के पश्चात् कहा जाने वाला 2. सब के अंत में लिखा हुआ।

**शेषोक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. बहुत कुछ कहने के बाद कही गई बात 2. काफी कुछ लिखने के बाद लिखी गई बात 3. निष्कर्ष के रूप में कही गई बात।

**शैंपू** पुं. (अं.) सिर के बाल साफ करने का एक सुगंधित रसायनिक द्रव्य, जल के संपर्क में झाग उत्पन्न करने वाला द्रव्यात्मक मिश्रण। shampoo

**शै** स्त्री. (फा.) 1. कोई वस्तु, कुछ चीज, पदार्थ 2. भूत-प्रेत, चुड़ैल।

**शैक्ष** पुं. (तत्.) 1. आचार्य के साथ रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाला शिष्य 2. अभी अभी जान सीखा हुआ व्यक्ति, नौसिखिया 3. वेदों का पठन प्रारम्भ करने वाला व्यक्ति।

**शैखरिक** पुं. (तत्.) गोल पत्ती और उलटे काँटों वाला एक औषधि का पौधा, चिचड़ा वि. तत्. शिखर से संबंधित, चोटी का।

**शैडो** स्त्री. (अं.) 1. प्रकाश के स्रोत को अवरुद्ध करने वाली वस्तु का उसी वस्तु के आकार का बना हुआ अंधेरा, छाया, साया 2. दर्पण में दिखाई देने वाला प्रतिरूप। shadow

**शैतान** पुं. (अर.) 1. इस्लाम के अनुसार ईश्वर की आज्ञा का पालन न करने वाला, निष्कासित फरिश्ता 2. दूसरों को हानि पहुँचाने वाला व्यक्ति, उपद्रवी, शरारती 3. तमोगुण वाली शक्ति का व्यक्ति जो धर्म के मार्ग पर चलने के लिए बाधा उत्पन्न करता है 4. भूत-प्रेत।

**शैतानी** वि. (अर.) 1. परेशान करने वाला व्यवहार, शरारत 2. हानि पहुँचाने वाला व्यवहार, दुष्टता, पाजीपन वि. शैतान से संबंधित।